मूर्खों को सलाह देना स्वयं को ही हानि पहुंचना है

सुप्रभात,

आज की प्रार्थना सभा का विषय है " **मूर्खों को सलाह देना स्वयं को ही हानि पहुंचना है** " इसी से सम्बंदित है आज की लघुकथा।

एक जंगल में बहुत बड़ा पेड़ था । उस पेड़ पर दो पंक्षी रहते थे । एक दिन जंगल में बहुत तेज वर्षा होने लगी । वर्षा होने के कारण सभी पंक्षी अपने बनाये हुए घोसलो में जाकर बैठ गए । कुछ समाये बाद पंक्षियो ने देखा पेड़ के निचे इक बंदर खड़ा है वर्षा के कारण वह पूरा भीग चूका है।

सामर्थ होने पर भी मुर्ख बंदर बारिश में घर न बनाते हुए इधर उधर भटक कर भीग रहा था । बंदर की इस हालत को देखकर पंक्षियो ने उसे खुद का घर बनाकर उसमे रहने की सलाह दी। इस सलाह को बंदर ने अपना अपमान माना उसने सोचा की खुद का घर न होने क कारण पंक्षी उसका मज़ाक उदा रहे थे इसी बात से उस मुर्ख बंदर को क्रोध आ गया और उसने उन पंक्षियो का घोसला नस्ट कर दिया।

इसी लिए कहा जाता है कि **मूर्खों को सलाह देना खुद को स्वयं को हानि पहुंचना है।**

(धन्यवाद)

मोहम्मद अमान अंसारी

कक्षा : 11-B